

# छलना

पुरुष, नारी, कल्पना, कामना, निद्रा तथा विलास नामक  
भाव-वृत्तियों का एक कला-पूर्ण रूपक

७१० श्रीरेन्द्र वना पुस्तक-संग्रह

भगवतीप्रसाद वाजपेयी

राजकमल प्रकाशन  
दिल्ली बम्बई